

जिनमणिमालावां पुराभो मणिः

# श्री महावीर-षट्-कथायाम् पूजा



प्रणेताः

महोपाध्याय विनयसागरजी  
साहित्य-नर्ष, पुराणशास्त्री, आदि-पुस्तक,  
मन्त्रभूषण, रावणपिदास्य-

प्रकारकः -

मुनि विनयसगर, साहित्याचार्य  
अध्यक्ष सुमति सदन  
कोटा (राजस्थान)

वि० सं० २०१२ • ई० सं० १९५६

मूल्य

17)

मुद्रक

जेन प्रिन्टिंग प्रेस

कोटा (राजस्थान)